Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. जन्मजात विशेषताओं और योग्यताओं का परिणाम होती है—

अ प्राकृतिक असमानता

ब आर्थिक असमानता

स राजनीतिक समानता

द सामाजिक असमानता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. समानता की अवधारणा का मूल आधार क्या है?

अ समान धन-संपत्ति

ब समान व्यवसाय

स साझी मानवता

द समान प्रतिभा

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

3. अवसरों की समानता का मुख्य उद्देश्य क्या है?

अ सभी व्यक्तियों को एक जैसा व्यवसाय देना

ब सभी की आय समान करना

स सभी व्यक्तियों को समान परिणाम प्राप्त कराना

द सभी को अपनी प्रतिभा विकसित करने के समान अवसर देना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

4. समाजजनित असमानताओं का प्रमुख कारण क्या है?

अ व्यक्तियों की प्राकृतिक प्रतिभा

ब व्यक्तियों की व्यक्तिगत रुचियाँ

स व्यक्तियों की अलग-अलग योग्यताएँ

द अवसरों की असमानता और सामाजिक शोषण

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. समानता के तीन प्रमुख आयाम कौन-से हैं?

अ धार्मिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक

ब राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक

स प्राकृतिक, शारीरिक और बौद्धिक

द व्यक्तिगत, पारिवारिक और व्यावसायिक

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

6. लोकतांत्रिक समाज में राजनीतिक समानता का प्रमुख आधार क्या है?

अ समान आय

ब समान शिक्षा

स समान नागरिकता

द समान व्यवसाय

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

7. सामाजिक समानता स्थापित करने के लिए निम्नलिखित में से कौन-सा उपाय आवश्यक है?

अ केवल मतदान का अधिकार

ब सभी व्यक्तियों को समान वेतन

स सभी व्यक्तियों को एक ही व्यवसाय देना

द शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाओं तक समान पहुँच

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

8. आर्थिक असमानता का आकलन किस आधार पर किया जा सकता है?

अ धार्मिक मान्यताओं के आधार पर

ब राजनीतिक दलों की संख्या से

स भाषाई विविधता से

द आय एवं संपत्ति के अंतर से

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

9. कार्ल मार्क्स के अनुसार गहरी असमानताओं का बुनियादी कारण क्या है?

अ धार्मिक विविधता

ब आर्थिक संसाधनों का निजी स्वामित्व

स प्राकृतिक प्रतिभाओं में अंतर

द भाषाई भिन्नता

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

10. नारीवाद के अनुसार स्त्री-पुरुष असमानता का प्रमुख कारण क्या है?

अ प्राकृतिक प्रतिभा

ब भौगोलिक परिस्थितियाँ

स पितृसत्तात्मक व्यवस्था

द व्यक्तिगत रुचियाँ

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए

1. नारीवाद _____ के समान अधिकारों का पक्ष लेने वाला सिद्धान्त है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. समानता की अवधारणा का मूल आधार सभी मनुष्यों की _____ है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. समानता के तीन प्रमुख आयाम राजनीतिक, सामाजिक तथा _____ हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. नारीवाद के अनुसार स्त्री-पुरुष असमानता _____ का परिणाम है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. समाज में विद्यमान गहरी असमानताओं को दूर करने के लिए _____ कार्रवाई की नीतियाँ अपनाई जाती हैं।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1. समानता से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: समानता का अर्थ है कि सभी मनुष्य समान महत्त्व और सम्मान के अधिकारी हैं तथा उन्हें अपनी क्षमताओं के विकास के लिए समान अधिकार और अवसर मिलने चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. प्राकृतिक असमानता किसे कहते हैं?

उत्तर: व्यक्तियों की जन्मजात विशेषताओं, क्षमताओं और योग्यताओं में अंतर के कारण उत्पन्न असमानता प्राकृतिक असमानता कहलाती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. समाजजनित असमानता किसे कहते हैं?

उत्तर: समाज की व्यवस्थाओं, अवसरों की असमानता अथवा शोषण के कारण उत्पन्न असमानता समाजजनित असमानता कहलाती है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. राजनीतिक समानता का प्रमुख आधार क्या है?

उत्तर: राजनीतिक समानता का प्रमुख आधार समान नागरिकता है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER

5. सकारात्मक कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर: सकारात्मक कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य पिछली असमानताओं से प्रभावित वंचित समुदायों को विशेष सहायता प्रदान करके समान अवसर उपलब्ध कराना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

लघूत्तरात्मक प्रश्न

1. सरकार द्वारा समानता को बढ़ावा देने के लिए क्या-क्या प्रयास किये जा सकते हैं?

उत्तर: सरकार निम्नलिखित उपायों द्वारा समानता को बढ़ावा दे सकती है—

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



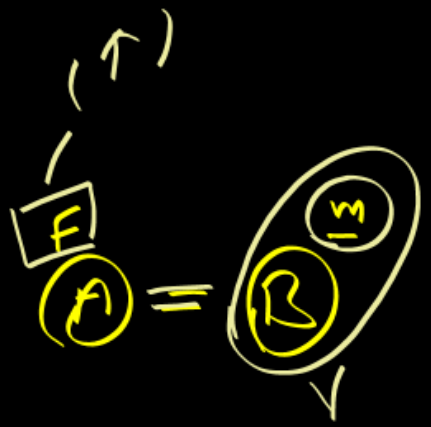
1. समान कानूनी अधिकार: सभी नागरिकों को समान अधिकार प्रदान करना और भेदभावपूर्ण कानूनों को समाप्त करना।
2. शिक्षा एवं स्वास्थ्य: समाज के सभी वर्गों के लिए अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना।



3. भेदभाव का निषेध: जाति, धर्म, रंग और लिंग के आधार पर होने वाले भेदभाव को रोकना।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

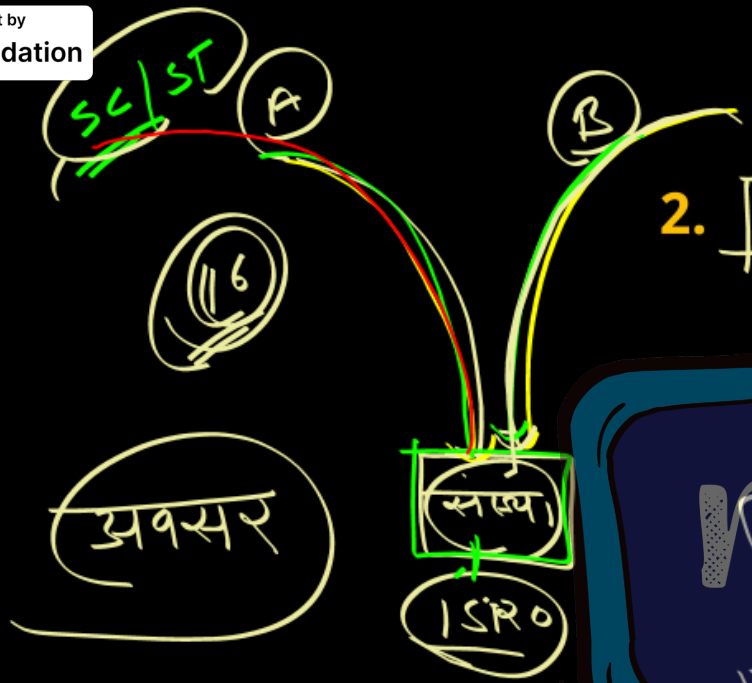


4. सकारात्मक कार्रवाई: वंचित समुदायों के लिए छात्रवृत्ति, छात्रावास और आरक्षण जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

5. जागरूकता एवं सहायता: लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और समान अवसर प्राप्त करने में सहायता देना।

Under CSR Support by ipca | Foundation

mg missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



2. अवसर की समानता से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: अवसर की समानता का अर्थ है कि सभी व्यक्तियों को अपनी योग्यताओं, प्रतिभाओं तथा क्षमताओं के विकास के लिए समान अधिकार और अवसर प्राप्त हों।

प्रमुख विशेषताएँ—

Under CSR Support by
ipca | Foundation

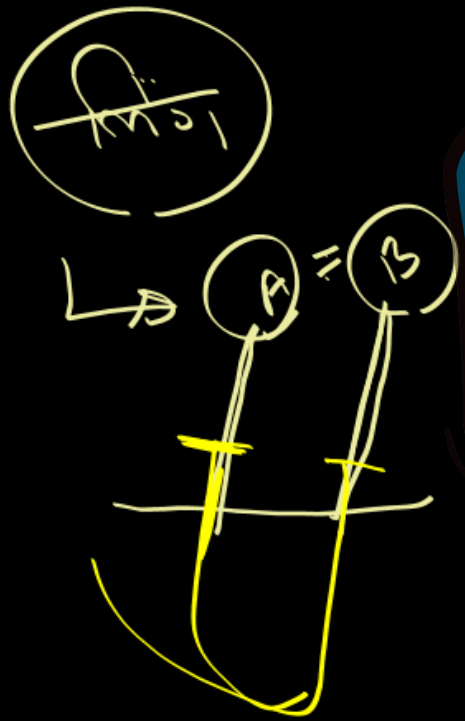
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

प्रतिभा

1. समान अधिकार: सभी व्यक्तियों को अपनी आकांक्षाएँ और लक्ष्य पूरे करने के समान अधिकार मिलने चाहिए।
2. प्रतिभा का विकास: प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दक्षता तथा योग्यता विकसित करने का अवसर मिलना चाहिए।
3. बुनियादी सुविधाएँ: शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षित आवास जैसी सुविधाओं तक उचित पहुँच होनी चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



4. **भेदभाव का अभाव:** जन्म, जाति, लिंग अथवा सामाजिक परिस्थितियों के आधार पर अवसर सीमित नहीं होने चाहिए।

5. **समान परिणाम आवश्यक नहीं:** अवसर समान होने पर भी व्यक्तियों की उपलब्धियाँ उनकी योग्यता और प्रयासों के कारण अलग-अलग हो सकती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



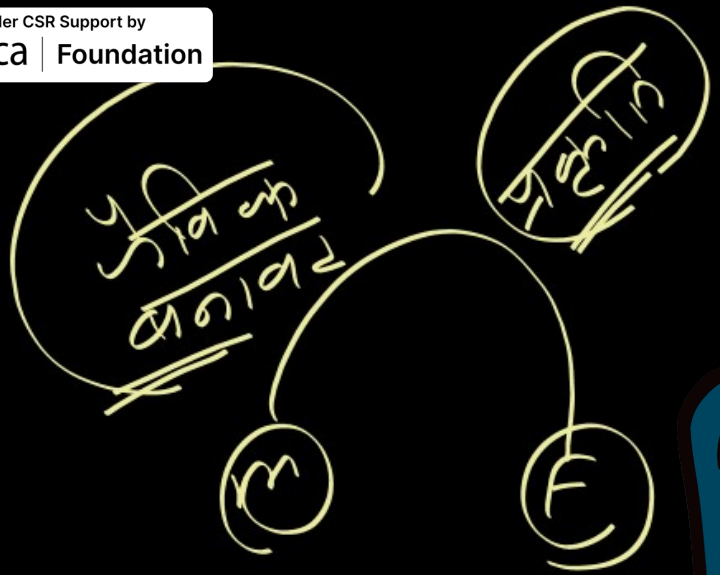
3. नारीवाद के अनुसार पितृसत्ता से क्या अभिप्राय है?

उत्तर: पितृसत्ता ऐसी सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक व्यवस्था है, जिसमें पुरुषों को स्त्रियों की तुलना में अधिक महत्त्व तथा शक्ति प्रदान की जाती है।

प्रमुख विशेषताएँ—

Under CSR Support by
ipca | Foundation

mg missiongyan® LET'S LEARN TOGETHER



1. पुरुष प्रधानता: पितृसत्तात्मक व्यवस्था में पुरुषों को अधिक सामाजिक शक्ति और महत्त्व प्राप्त होता है।
2. असमान भूमिकाएँ: स्त्रियों को प्राय: निजी एवं घरेलू कार्यों से जोड़ा जाता है।
3. लैंगिक भेदभाव: स्त्री-पुरुष के प्राकृतिक अंतर को उनकी असमान सामाजिक स्थिति का आधार बनाया जाता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

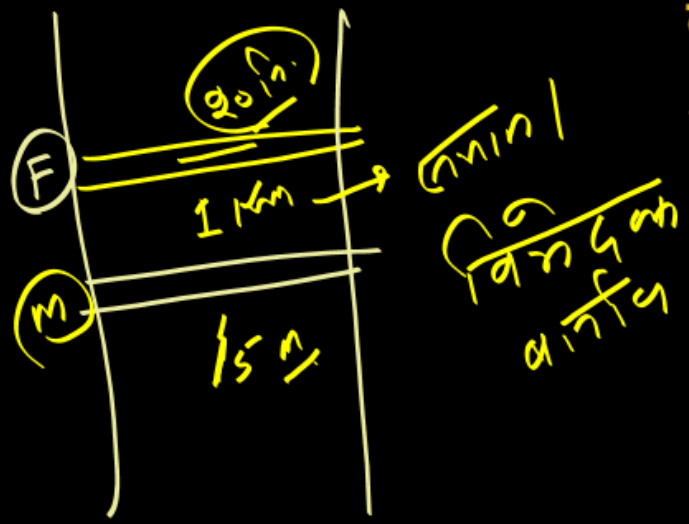
missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

4. नारीवादी आलोचना: नारीवाद इस व्यवस्था का विरोध करके स्त्री-पुरुष के समान अधिकारों की माँग करता है।

5. सामाजिक परिवर्तन: नारीवाद के अनुसार स्त्री-पुरुष के बीच अधिकांश सामाजिक असमानताएँ बदली जा सकती हैं।

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न

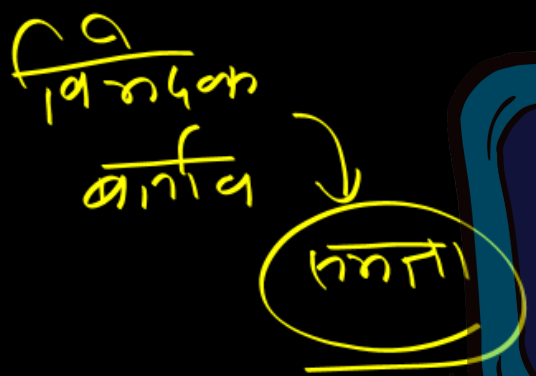
1. विभेदक बर्ताव द्वारा समानता कैसे स्थापित होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: समानता का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति के साथ हर परिस्थिति में बिल्कुल एक जैसा व्यवहार करना नहीं है। कुछ व्यक्तियों और समुदायों को समान अधिकारों का वास्तविक लाभ प्राप्त करने के लिए विशेष सुविधाओं एवं विभेदक बर्ताव की आवश्यकता होती है।

विभेदक बर्ताव द्वारा समानता स्थापित करने के प्रमुख उपाय—

Under CSR Support by
ipca | Foundation

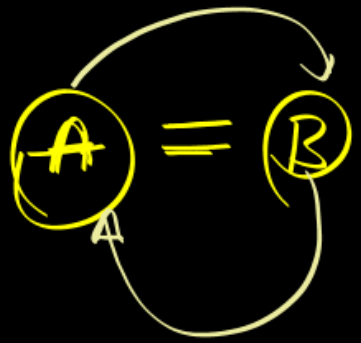
missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1. विशेष आवश्यकताओं की पहचान: कुछ व्यक्तियों को शारीरिक अथवा सामाजिक परिस्थितियों के कारण अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है।
2. दिव्यांग व्यक्तियों को सुविधाएँ: दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक भवनों में विशेष ढलान वाले रास्ते अर्थात् रैम्प बनाना समान अवसर प्रदान करने का उपाय है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



3. महिलाओं की सुरक्षा: रात्रि में कार्य करने वाली महिलाओं को आवागमन के दौरान विशेष सुरक्षा प्रदान करना उनके समान कार्य-अधिकारों के उपयोग में सहायक है।
4. वंचित समुदायों की सहायता: ऐतिहासिक रूप से वंचित समुदायों को शिक्षा और रोजगार में विशेष सहायता देकर उनकी स्थिति सुधारी जा सकती है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

5. शैक्षिक अवसर: कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, छात्रावास तथा अन्य आवश्यक सुविधाएँ प्रदान की जा सकती हैं।

6. समान प्रतिस्पर्धा: विशेष सहायता का उद्देश्य वंचित व्यक्तियों को अन्य व्यक्तियों के साथ उचित प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



7. भेदभाव और समानता में अंतर: सभी प्रकार का अलग व्यवहार अन्यायपूर्ण नहीं होता। समान अवसर बढ़ाने वाला विशेष व्यवहार न्यायोचित हो सकता है।

8. सावधानी: विशेष सुविधाओं का उद्देश्य नई असमानताएँ या विशेषाधिकार उत्पन्न करना नहीं, बल्कि वास्तविक समानता स्थापित करना होना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

2. समानता के तीन प्रमुख आयामों का वर्णन कीजिए।

उत्तर: समानता एक महत्त्वपूर्ण नैतिक एवं राजनीतिक आदर्श है। समाज में विद्यमान विभिन्न असमानताओं को दूर करने के लिए समानता के तीन प्रमुख आयाम माने गए हैं— राजनीतिक समानता, सामाजिक समानता और आर्थिक समानता।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

1. राजनीतिक समानता

i. समान नागरिकता: लोकतांत्रिक समाज में सभी नागरिकों को समान नागरिकता प्रदान करना राजनीतिक समानता का प्रमुख आधार है।

ii. समान राजनीतिक अधिकार: मतदान, संगठन बनाने तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे अधिकार राजनीतिक समानता से संबंधित हैं।

iii. राजनीतिक भागीदारी: राजनीतिक अधिकार नागरिकों को राज्य के कार्यों में भाग लेने और अपने विकास के अवसर प्राप्त करने में सक्षम बनाते हैं।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

2. सामाजिक समानता

iv. सामाजिक भेदभाव का विरोध: सामाजिक समानता के लिए जाति, लिंग और सामाजिक स्थिति के आधार पर होने वाले अन्यायपूर्ण भेदभाव को दूर करना आवश्यक है।

v. बुनियादी सुविधाएँ: सभी को उचित पोषण, स्वास्थ्य सुविधाएँ, अच्छी शिक्षा तथा न्यूनतम वेतन जैसी आवश्यक सुविधाएँ मिलनी चाहिए।

vi. समान अवसर: सामाजिक बाधाओं को हटाकर प्रत्येक व्यक्ति को अपनी क्षमताओं और प्रतिभा के विकास का अवसर मिलना चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

3. आर्थिक समानता

vii. आर्थिक असमानताओं में कमी: आर्थिक समानता का उद्देश्य व्यक्तियों और वर्गों के बीच धन, संपत्ति तथा आय की अत्यधिक असमानताओं को कम करना है।

viii. आर्थिक अवसर: समाज में सभी व्यक्तियों को अपनी आर्थिक स्थिति सुधारने और विकास के अवसर प्राप्त होने चाहिए।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

राजनीतिक, सामाजिक तथा आर्थिक समानता के तीनों आयाम परस्पर महत्त्वपूर्ण हैं। अधिक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज के निर्माण के लिए तीनों क्षेत्रों में समानता को बढ़ावा देना आवश्यक है।